Lesson No. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 6 min

Topic ग्रामीण विकास Date 4/11/2014

प्रस्तावना कौशल

कौशल के मापदण्ड :→

1. विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना।
2. पूर्वज्ञान का प्रत्यास्मरण करना।
3. छात्रों के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
4. विषय-वस्तु की स्पष्टता।

प्रस्तुतीकरण :-

	छात्र-अध्यापक क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
1.	हमारे देश के लोग कहाँ रहते हैं?	गाँवों में।	पूर्वज्ञान का प्रयोग
2.	गाँव कैसे बनता है?	घरों में समूह है।	"
3.	गाँव का प्रमुख कौन होता है?	ग्राम प्रधान	प्रश्नों में क्रमबद्धता
4.	ग्राम प्रधान कौन चुनता है?	गाँव के लोग	
5.	ग्राम प्रधान का कार्य क्या है?	गाँव को विकसित करना	कथनों का मूल्य पाठ से सम्बन्ध
6.	ग्रामीण विकास किसे कहते हैं?	मौन	प्रभावपूर्ण प्रस्तुतीकरण

Scanned with CamScanner

निरीक्षण तालिका

क्र.	घटक	निर्धारण मापनी
1	पूर्वज्ञान का उपयोग	0 1 2 (3) 4 5 6
	कथनों का मूलपाठ से सम्बन्ध	0 1 2 (3) 4 5 6
2.	प्रश्नों की क्रमबद्धता	0 1 2 3 (4) 5 6
3. 4.	उपर्युक्त साधनों व युक्तियों का चयन	0 1 2 3 (4) 5 6
5.	प्रस्तावना की अवधि	0 1 2 (3) 4 5 6
6.	छात्रों का ध्यान आकर्षित करना	0 1 2 3 (4) 5 6
7.	प्रस्तावना का प्रभावपूर्ण प्रस्तुतिकरण	0 1 2 (3) 4 5 6

उपविषय की घोषणा :-

" अच्छा बच्चों " आज हम अर्थशास्त्र के विकास के विषय में अध्ययन करेंगे।

Pabon
07/11/14

Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 9th

Subject Economics Time 6 min

Topic निर्धनता Date 7/11/2014

प्रश्न कौशल

कौशल के मापदण्ड :-

1. उत्तरों को शुद्ध करना।
2. विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना।
3. उत्तरों के लिए प्रस्तुत करना।
4. उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना।
5. उचित भाषा का प्रयोग करना।
6. विद्यार्थियों में समालोचनात्मक विकास करना।

उपविषय की घोषणा :-

" अच्छा बच्चों " आज हम निर्धनता के विषय में अध्ययन करेंगे।

छात्रा-अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
▲ छात्राअध्यापिका छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगी।	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
1. निर्धनता किसे कहते हैं?	रोटी, कपड़ा और मकान को पूरा करने में असमर्थ होना निर्धनता है।	समबद्धता
2. भारत में कितनी जनसंख्या निर्धनता का जीवनयापन करती है?	26 करोड़	विराम
3. भारत में कुल कितना प्रतिशत भाग निर्धन हैं?	26 %	संक्षिप्तता

4.	निर्धनता का आकलन कितने वर्षों में किया जाता है?	5 वर्षों में	संक्षिप्तता
5.	भारत में सबसे कम निर्धनता का अनुपात किस राज्य का है ? (चार्ट को दिखाते हुए)	अस्पष्ट कथन	विशिष्टता
	अध्यापक कथन	**छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें।**	प्रश्नों का उत्तर
▲	भारत में सबसे कम निर्धनता अनुपात जम्मु-कश्मीर का है।		
▲	हरियाणा में निर्धनता अनुपात कितना है ?	हरियाणा में निर्धनता अनुपात 8.7% है।	वितरण
▲	भारत में निर्धनता रेखा का आंकलन कौन करता है ?	NATIONAL SAMPLE SURVEY ORGANI-SATION [N.S.S.O]	

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

निरीक्षण तालिका

क्रम	घटक	निर्धारण मापनी						
1.	समबद्धता	0	1	2	(3)	4	5	6
2.	स्पष्टता	0	1	2	3	(4)	5	6
3.	संक्षिप्तता	0	1	2	3	(4)	5	6
4.	सही व्याकरण का प्रयोग	0	1	2	3	(4)	5	6
5.	प्रश्नों का उत्तर	0	1	2	3	(4)	5	6
6.	गति	0	1	2	(3)	4	5	6
7.	विराम	0	1	2	(3)	4	5	6
8.	वितरण	0	1	2	3	(4)	5	6

07/11/19

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 3

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 6 min

Topic भारत की मिट्टी Date 10/11/2014

उद्दीपक परिवर्तन कौशल

कौशल के मापदण्ड :→

1. विशिष्ट वस्तु की स्पष्टता
2. विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. विद्यार्थियों में सकेन्द्रता का विकास
4. विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट करना।
5. विद्यार्थियों की सहभागिता।

* उपविषय की घोषणा :→

" अच्छा बच्चो " आज हम **भारत की मिट्टी** के बारे में पढ़ेंगे।

* प्रस्तुतिकरण :→

	छात्र-अध्यापक क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
1.	भारत में कुल कितने प्रकार की मिट्टी पायी जाती है ? (एक छात्र से पूछते हुए)	भारत में कुल आठ प्रकार की मिट्टी पायी जाती है।	संचलन
2.	मिट्टियों के नाम बताओ। (समूह छात्र से)	जलोढ़ मिट्टी, काली मिट्टी, लाल मिट्टी, लैटेराइट मिट्टी, मरुस्थलीय, जैंप मिट्टी, वनीय मिट्टी	

Scanned with CamScanner

3.	जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्रफल कितना प्रतिशत है ?	क्षेत्रफल का मानचित्र देखते हुए।
4.	जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्रफल कितना प्रतिशत है ?	क्षेत्रफल कुल २२ % है। (मानचित्र सहायता)
5.	जलोढ़ मिट्टी की प्रमुख फसलें कौन-सी हैं ?	धान, गेहूं, मक्का, तिलहन, दलहन, आलू इत्यादि।
6.	काली मिट्टी किस प्रदेश में पायी जाती है ?	गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उड़ीसा का दक्षिणी भाग, कर्नाटक का उत्तरी भाग इत्यादि।
7.	काली मिट्टी को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?	रेंगुर मिट्टी के नाम से जाना जाता है।
8.	काली मिट्टी की प्रमुख फसलों का नाम बताओ।	जौ, गेंहूँ, चना, बाजरा इत्यादि।

केंद्रण

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

निरीक्षण तालिका

	चरक	निर्धारण मापनी
1.	संचलन	0 1 2 (3) 4 5 6
2.	हाव - भाव	0 1 2 3 (4) 5 6
3.	वाक - स्वस्थ परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
4.	केन्द्रण	0 1 2 3 (4) 5 6
5.	अन्तः क्रिया शैली में परिवर्तन	0 1 2 3 (4) 5 6
6.	विराम	0 1 2 3 (4) 5 6
7.	मौखिक दृश्य बदलाव	0 1 2 3 4 (5) 6
8.	विद्यार्थियों की सहभागिता	0 1 2 3 4 (5) 6

Parkash
10.11.14.

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....4....

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 9th

Subject Economics Time 6 min

Topic बफर स्टॉक Date 12/11/2014

व्याख्या कौशल

* कौशल के मापदण्ड :→

1. उपविषय से संबंधित विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2. सरल स्पष्ट व रोचक भाषा का प्रयोग करना।
3. उपविषय के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालना।
4. व्याख्या के समय सामान्य गति बनाये रखना।
5. उचित कथनों का प्रयोग करना।

* उपविषय की घोषणा :→

"अच्छा बच्चों" आज हम बफर स्टॉक के बारे में अध्ययन करेंगे।

* प्रस्तुतिकरण :→

छात्रा-अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
छात्रा-अध्यापिका, विषय-वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य-बिंदुओं को नोट करेंगे।	

Scanned with CamScanner

बफर स्टॉक :-

भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज, गेहूँ और चावल के भंडार को बफर स्टॉक कहते हैं। भारतीय खाद्य निगम अधिक उत्पादन वाले राज्यों में किसानों में उचित मूल्य पर चावल और गेहूँ खरीदता है। किसानों को उनकी उपज के बदले में पहले से घोषित कर दी जाती है। इस मूल्य को न्यूनतम समुचित मूल्य कहते हैं। सरकार बफर स्टॉक कमी क्षेत्र वाले और समाज के गरीब वर्गों को बाजार कीमत से कम कीमत पर अनाज उपलब्ध करवाने के लिए करती है। इसी कीमत को निर्गत कीमत भी कहा जाता है।

निष्कर्ष कथन:- बफर स्टॉक भारत में खाद्य सुरक्षा के घटक हैं। यह सुरक्षा के घटक हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

योजक शब्दों का प्रयोग

स्पष्ट उपसंहारात्मक कथन

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

* **पुनरावृत्ति :→**

* छात्राअध्यापिका प्रश्न पूछेगी।	छात्र पूछे गये प्रश्नों का उत्तर देंगें।	बुद्धि परीक्षा
1. बफर स्टॉक किसे कहते हैं?	अधिप्राप्त अनाज, गेहूँ, चावल के भण्डार को बफर स्टॉक कहते हैं।	
2. बफर स्टॉक किसका घटक है।	खाद्य सुरक्षा का घटक है।	
3. सरकार द्वारा घोषित कीमतों को क्या कहते हैं?	न्यूनतम समुचित मूल्य	

Scanned with CamScanner

* निरीक्षण तालिका *

घटक	निर्धारण मापनी						
1. उपयुक्त प्रारंभिक कथन का प्रयोग	0	1	2	3	(4)	5	6
2. यौगिक शब्दों का प्रयोग	0	1	2	3	4	(5)	6
3. आवश्यक बिंदुओं का ध्यान देना	0	1	2	3	(4)	5	6
4. बौद्धिय परीक्षण	0	1	2	3	4	(5)	6
5. तकनीकी शब्दों का प्रयोग	0	1	2	3	4	(5)	6
6. धारा प्रवाहित	0	1	2	3	(4)	5	6
7. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग	0	1	2	3	4	(5)	6
8. स्पष्ट उपसंहारात्मक कथन	0	1	2	3	(4)	5	6

Palwan
12-11-14

Lesson No. : 5

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 6 min

Topic कृषि की मुख्य फसलें Date 14/11/2014

* उदाहरण कौशल *

* कौशल के मापदण्ड :→

1. विषय-वस्तु की प्रभावी व्याख्या के लिए सहायक।
2. शिक्षण-सामग्री का प्रयोग।
3. व्याख्या को प्रभावी व संजीव बनाना।
4. विद्यार्थियों के ध्यान को आकर्षित व केंद्रित करना।
5. विषय-वस्तु की महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालना।
6. विद्यार्थियों की स्मरण व कल्पना शक्ति को बढ़ाना।

* उपविषय की घोषणा :→

"अच्छा बच्चों" आज हम **कृषि की मुख्य फसलों** के विषय में अध्ययन करेंगे।

Scanned with CamScanner

* प्रस्तुतिकरण :→

छात्रा-अध्यापिका क्रिया	छात्र-अनुक्रिया	घटक
छात्राअध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगी। (चार्ट पर चित्रित कुछ फसलें जैसे- चावल, गेहूँ, जौं, मक्का आदि चार्ट पर दिखाते हुए)	छात्र प्रश्नों के उत्तर देंगे (चार्ट को देखते हुए)	उचित माध्यम प्रयोग द्वारा
1. इस चार्ट में क्या-क्या दिखाई दे रहे हैं?	चार्ट में चावल गेहूँ, जौं, मक्का इत्यादि।	सरल उदाहरण निर्माण
2. ये अनाज हमें कहाँ से मिलते हैं।	कृषि करने से	रोचक उदाहरण निर्माण
3. कृषि किसे कहते हैं?	छात्र मौन थे।	
अध्यापक कथन - भूमि को जोतने, फसल उगाने काटने की कला को कृषि कहते हैं।		
4. शरद ऋतु में बोने वाली फसलों को क्या कहते हैं?	रबी की फसल	उचित माध्यम का प्रयोग
5. रबी की फसलों के कुछ उदाहरण दो।	गेहूँ, जौं, चना, सरसों के तेल, तोरिया इत्यादि।	
6. जायज फसलों के कुछ उदाहरण दो।	ककड़ी, खीरा, खरबूज इत्यादि।	सरल उदाहरण प्रयोग

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

* निरीक्षण तालिका *

घटक	निर्धारण मापनी
1. सार्थक उदाहरणों का निर्माण	0 1 2 3 (4) 5 6
2. उचित माध्यम का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6
3. सरल उदाहरणों का निर्माण	0 1 2 3 4 (5) 6
4. रोचक उदाहरणों का निर्माण	0 1 2 3 4 (5) 6
5. उचित माध्यम का प्रयोग	0 1 2 3 4 (5) 6

Pahwani
14-11-14

Scanned with CamScanner

MEGA TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 20 min

Topic भारत में खाद्य सुरक्षा Date 4/12/2015

*** अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतन, डाडन इत्यादि।

*** सहायक सामग्री :→** विषय वस्तु से संबंधित कोई वस्तु।

*** सामान्य उद्देश्य :→**

1. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
2. शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति से सहायता करना।
3. भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान कराना।
4. वर्तमान समस्याओं का समाधान कराना।
5. कल्पना शक्ति का विकास कराना।

*** व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्न परिवर्तन होंगे।

1. विद्यार्थी जनसंख्या के बारे में पहचान सकेगा।
2. विद्यार्थी जनसंख्या से संबंधित उदाहरण दे सकेगा।
3. जनसंख्या के बढ़ने के संबंध में बता सकेगा।

*** पूर्वज्ञान परीक्षण :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेगी।

1. हम लोग किस देश में निवास करते हैं?
2. आबादी क्यों बढ़ती चली जा रही है?
3. आबादी बढ़ने का क्या कारण है?

Scanned with CamScanner

* **उपविषय की घोषणा :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर विषय वस्तु की घोषणा करेगी "अच्छा बच्चों" आज हम "जनसंख्या विस्फोट" के विषय में अध्ययन करेंगे।

* **प्रस्तुतिकरण :→** पाठ्य सामग्री को विकसित करने के लिए व्याख्या व विचार-विमर्श विधि का प्रयोग किया जायेगा। पाठ की रोचकता बढ़ाने के लिए चित्र या चार्ट का प्रयोग किया जायेगा।

पाठ्य वस्तु	अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राअध्यापिका विषय वस्तु की व्याख्या करेगी।	**छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।**	
जनसंख्या	जनसंख्या का अर्थ:- वे सब लोग जो एक विशेष क्षेत्र, शहर अथवा देश में रहते हैं या लोगों की कुल संख्या जो वहां रहती है।		**जनसंख्या**
	विस्फोट का अर्थ:- किसी वस्तु की मात्रा अथवा संख्या में वृद्धि।		जनसंख्या विस्फोट

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

	अर्थात जनसंख्या विस्फोट का अर्थ है एक क्षेत्र में रहने वाले लोगों में अचानक या सहसा वृद्धि।		
भारत में जनसंख्या विस्फोट	भारत की जनसंख्या सन् १९२१ में २५.१ करोड़ थी। जो बढ़कर १९९१ में ८४.५ करोड़ हो गई और २००१ में यह संख्या १०२ करोड़ तक पहुँच गई। जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत का हर सातवां व्यक्ति एक भारतीय है। भारत में हर सैकेण्ड "एक बच्चा" जन्म लेता है।		
	विकासात्मक प्रश्नः-		
	1.- जनसंख्या से क्या तात्पर्य है?	जनों की संख्या में वृद्धि	
	२. विस्फोट से क्या तात्पर्य है?	किसी वस्तु की संख्या में व्यापक वृद्धि।	
	3 जनसंख्या विस्फोट के क्या कारण हैं?	मौन	

Scanned with CamScanner

जनसंख्या विस्फोट के कारण :→	छात्रा अध्यापिका कथन 1. तेजी से बढती हुई जन्म 2. घटती मृत्यु दर 3. अशिक्षा 4. घुसपैठ पर नियंत्रण 1. तेजी से बढती हुई मृत्यु दर → भारत में जनसंख्या विस्फोट का प्रमुख कारण यहाँ प्रति घण्टा 2000 तथा प्रतिदिन 12 मिलियन बच्चें जन्म ले रहे हैं। 2. घटती मृत्यु दर → एक तरफ जन्म दर अनियंत्रित रूप में बढ रही है तथा दुसरी और मृत्यु दर घटती जा रही हैं। 1981 में मृत्यु दर घटती जा रही है। 3. अशिक्षा :→ भारत में अधिकांश लोग अशिक्षित है जिसके कारण जनसंख्या में वृद्धि हो रही है।		1. तेजी से बढती हुई जन्म दर 2. घटती मृत्यु दर 3. अशिक्षा 4. घुसपैठ पर नियन्त्रण 1984 में ... करोड और 1999 में 81...

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No........................ Class........................
Subject........................ Time........................
Topic........................ Date........................

	4. घुसपैंठ पर नियन्त्रण का अभाव:→ भारत में अन्य देशों के नागरिकों की घुसपैंठ जारी हैं।		

पुनरावृति :→

1. जनसंख्या विस्फोट से क्या अभिप्राय है ?
2. सन 2001 में भारत की जनसंख्या कितनी थी ?
3. सन 1991 में मृत्यु दर कितनी थी ?
4. जनसंख्या विस्फोट के क्या कारण है ?

ग्रहकार्य :-

छात्राअध्यापिका छात्रों को पढाई गई पाठ्यवस्तु में से निम्नोंकत ग्रहकार्य देगी।

जनसंख्या विस्फोट के विषय में विस्तारपूर्वक अध्ययन करके आयेगें।

Pabam 04/12/14

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 20 min

Topic जनसंख्या विस्फोट Date 6/12/2014

अनुदेशनात्मक :→

चाक संकेतक व झाड़न आदि।

सहायक सामग्री :→

चाक संकेतन या विषय वस्तु से संबंधित एक चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :→

1. पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
2. शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करना।
3. भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान कराना।
4. वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।
5. कल्पना शक्ति का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य :→

1. विद्यार्थी को परिवहन संचार और व्यापार के सम्बन्धी साधनों का ज्ञान हो जायेगा।

2. विद्यार्थी परिवहन, संचार के साधनों को पहचान सकेगें।

3. विद्यार्थी परिवहन, संचार सम्बन्धी साधनों की उदाहरण समझ सकेगें।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्वज्ञान :→
छात्र - परिवहन और संचार तथा व्यापार के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षण :→
छात्रा अध्यापिका पूर्वज्ञान से सम्बन्धित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. आप एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं ?
2. इन साधनों को क्या कहते हैं ?
3. परिवहन किसे कहते हैं ?

उद्देश्य कथन :→
छात्रों को संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्र अध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों आज हम परिवहन, संचार और व्यापार के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :→
पाठ को विकसित करने के लिए प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा।

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No. ..... Class .....

Subject ..... Time .....

Topic ..... Date .....

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका की क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट क्रिया
	छात्राध्यापिका छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेगी।	छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
परिवहन और इसके साधन	**विकासात्मक प्रश्न** (i)→ इधर - उधर जाने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं ? (ii) इन साधनों को क्या कहते हैं ? (iii) परिवहन किसे कहते हैं ?	रेलगाड़ी, बस, कार परिवहन के साधन मौन	
संचार के साधन	**अध्यापिका कथन** जो साधन संदेशों और सूचकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं उन्हें संचार के साधन कहते हैं। संचार साधन किसी देश के व्यापारिक तथा औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	संचार-साधन

Scanned with CamScanner

संचार के साधन

i) व्यक्तिगत
ii) जनसंचार

जनसंचार के साधन भी दो हैं।

A) मुद्रित
B) अमुद्रित

दो प्रकार- व्यक्तिगत जनसंचार

अध्यापिका कथन → छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।

जो साधन यात्रियों और सामान को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जाना परिवहन कहलाता है। परिवहन मार्ग हमारी अर्थ-व्यवस्था की धमनियाँ है। ये माल उत्पादक और उपभोक्ता के बीच एक कड़ी का काम करते हैं। ये माल उत्पादक भारत में 5 प्रकार के हैं।

1. सड़क मार्ग
2. रेल मार्ग
3. पाइप लाइनें
4. जलमार्ग
5. वायुमार्ग

सड़क मार्ग
रेल मार्ग
पाइप लाइन
जलमार्ग
वायुमार्ग

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

जिन क्षेत्रों में यह साधन नहीं है, उन क्षेत्रों में आज भी पशुओं से काम होता है।

विकासात्मक कथन :→

1. हम अपने विचारों और संदेशों को दुसरों के पास पहुँचाने के लिए क्या करते हैं ?

टेलीग्राम व टेलीफोन

2. यह कैसे साधन हैं ?

संचार

3. संचार के साधन किसे कहते हैं ?

मौन

विकासात्मक प्रश्न →

छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

1. हम बाजार और दुकानों से क्या खरीदते हैं ?

वस्तुएं

2. किसी वस्तु को खरीदने या बेचने को क्या कहते हैं ?

व्यापार

3. व्यापार किसे कहते हैं ?

(मौन)

Scanned with CamScanner

व्यापार	**अध्यापिका क्रिया** जो व्यक्तियों या समूह के बीच लेन-देन को व्यापार कहा जाता है। स्थानीय व्यापार राज्यों या कस्बों के बीच होता है। दो देशों के बीच होने वाले व्यापार को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है। किसी देश का विकसित अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उसकी आर्थिक सम्पन्नता का प्रतीक है। → **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो पहलू :-** 1. आयात व्यापार 2. निर्यात व्यापार	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेगें	व्यापार 1. आयात व्या 2. निर्यात व्या

पुनरावृति :→ छात्राअध्यापिका पाठ्य वस्तु में से निम्न प्रश्न पूछेगी।

1. परिवहन के साधन किसे कहते है ?
2. संचार के साधन कौन से है ?
3. व्यक्तिगत संचार के साधन किसे कहते है?
4. व्यापार किसे कहते है ?

गृहकार्य :→ छात्राअध्यापिका छात्रों को निम्नलिखित गृहकार्य देगी। सभी छात्र परिवहन, संचार और व्यापार के विषय के बारे में अध्ययन करके आयेगें।

Pchaman 08/12/14

Lesson No. : 3.

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 20 min

Topic परिवहन, संचार और व्यापार Date 9/12/2014

अनुदेशनात्मक सामग्री :→ चाक, संकेतन, झाडन इत्यादि।

सहायक सामग्री :→ खाद्य सुरक्षा को प्रदर्शित करता चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :→

1. स्वास्थ्य आदतें एवं उचित अभिवृतियों का विकास करना।
2. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
3. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना
4. सामाजिक सम्बन्धों और व्यवहारों से परिचित कराना।
5. उतम नागरिक गुणों का विकास करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य :→ छात्राअध्यापिका छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त परिवर्तन आ जायेगें।

1. खाद्य को सुरक्षित रखने का प्रबन्ध किया जा सकेगें।
2. खाद्य के सुरक्षा के नियमों को जान कर सकेगें।
3. खाद्य को सुरक्षित रखने के लिए प्रबन्ध कर सकेगा।

अनुमानित पूर्वज्ञान :→ छात्राअध्यापिका छात्रों को पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोकित प्रश्न पूछेगी।

1. भोजन हमें किससे प्राप्त होता है ?
2. कृषि कार्य किस पर किया जायेगा ?
3. खाद्य सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?

Scanned with CamScanner

उपविषय की घोषणा :→ छात्राअध्यापिका छात्रों से सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर उपविषय की घोषणा करेगी कि → "अच्छा बच्चों" आज हम भारत में खाद्य सुरक्षा के बारे में अध्ययन करेगी।

प्रस्तुतीकरण :→ पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या व विचार विमर्श विधि का प्रयोग किया जायेगा। पाठ की रोचकता बढ़ाने के लिए चित्र या चार्ट का प्रयोग किया जायेगा।

विषय वस्तु	छात्रा-अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
भारतीय खाद्य सुरक्षा :→	छात्रा-अध्यापिका विषय वस्तु की स्पष्ट व्याख्या करेगी। खाद्य सुरक्षा क्या है ? खाद्य सुरक्षा के तीन आयाम हैं। देश में अनाज का भण्डार पहुँच से अभिप्राय खाद्य का प्रत्येक व्यक्ति को मिलना है तथा सामर्थ्य का अर्थ उसके पास खाद्य खरीदने के लिए धन उपलब्ध हो।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
खाद्य सुरक्षा क्यों:	समाज का अधिक गरीब वर्ग तो खाद्य सुरक्षा से प्रश्न या ग्रस्त हो सकता है। परन्तु जब देश में भूकम्प, सूखा, बाढ़, सुनामी आदि प्राकृतिक आपदायें आ जाये तो निर्धनता रेखासेऊपर लोग भी		खाद्य आवश्य

Lesson No. : 4

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 20 min

Topic पर्यावरण प्रदूषण Date 11/12/2014

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतन, झाडन इत्यादि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय वस्तु संबंधित एक चार्ट।

* **सामान्य उद्देश्य :→**

1. मानसिक एवं बौद्धिक विकास।
2. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
4. कल्पना शक्ति का विकास करना।
5. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जायेंगे।

1. विद्यार्थी को पर्यावरण का ज्ञान हो जायेगा।
2. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण का प्रत्यास्मरण कर पायेंगे।
3. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण संबंधित उदाहरण दे सकेंगे।
4. विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का प्रयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगें।

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

* **पूर्वज्ञान परीक्षा :→**

छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेगी।

1. हम किस ग्रह पर रहते हैं?
2. पृथ्वी के चारों ओर फैले आवरण को क्या कहते हैं?
3. हमारे चारों ओर फैले प्रदूषित वातावरण को क्या कहते हैं?

* **उद्देश्य कथन :→**

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राअध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों आज हम पर्यावरण प्रदूषण के विषय में अध्ययन करेंगे।

* **प्रस्तुतीकरण :→**

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जायेगा।

विषय-वस्तु	छात्रा-अध्यापिका क्रिया	छात्र प्रतिक्रिया	ब्लैकबोर्ड क्रिया
पर्यावरण	छात्रा-अध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी। हमारे चारों ओर फैले आवरण को पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण दो शब्दों के मेल से बना है। परि + आवरण पर्यावरण → परि का अर्थ है चारों तरफ तथा आवरण का अर्थ है ढका हुआ।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे	पर्यावरण परि + आव

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No. ..... Class .....

Subject ..... Time .....

Topic ..... Date .....

वे सभी घटक जो हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं तथा पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में मिलते हैं वे घटक मिट्टी, जल तथा वायु हैं। उस विशेष आवरण को जहाँ ये घटक पाए जाते हैं पर्यावरण कहते हैं।

पर्यावरण के घटक → हमारे पर्यावरण के दो घटकों
1. भौतिक पर्यावरण
2. जैविक पर्यावरण

पर्यावरण के घटक
1. भौतिक
2. जैविक

पर्यावरण प्रदूषण :→ वास्तव में पर्यावरण प्रदूषण हवा, पानी तथा मिट्टी की भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों में आने वाला ऐसा अनावश्यक परिवर्तन जो जीवन के लिए हानिकारक होता है।

पर्यावरण प्रदूषण

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार :→ जल प्रदूषण, हवा या वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण

जल प्रदूषण
हवा प्रदूषण
ध्वनि प्रदूषण

विकासात्मक प्रश्न :→

1. पर्यावरण किसे कहते हैं?
2. जीवित रहने के लिए आवश्यक तत्व कौन से हैं?
3. पर्यावरण के घटक कौन से हैं?

छात्र उत्तर देंगे चारों तरफ के आवरण
मिट्टी, जल, पानी
जैविक और भौतिक

Scanned with CamScanner

प्रदूषण के प्रकार :→	जल प्रदूषण :- जल का प्रदूषित होना ही जल प्रदूषण है। उदाहरण, जल में कूड़ा-करकट फेंकने से जल गंदा हो जाता है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	जल प्रदूषण
	वायु-प्रदूषण :- वायु में मिले दूषित कण जिससे वायु प्रदूषण होता है। उदाहरण, चिमनियों से निकलता धुँआ, विषैली गैसों का हवा में मिल जाना।		वायु प्रदूषण
	भूमि प्रदूषण :- पानी गड्ढों में इकट्ठा हो जाना, कूड़े-करकट के ढेर तथा अन्य गंदी वस्तुओं तथा कृषि उपज बढ़ाने के लिए प्रयोग की जाने वाली कीटनाशक दवाएं आदि।		भूमि प्रदूषण
	ध्वनि प्रदूषण :- वातावरण में अनावश्यक रूप से फैले ध्वनि को ध्वनि प्रदूषण कहते हैं। उदाहरण, तेजी से वाहनों के हॉर्न बजाना, लाउडस्पीकर तेजी से बजाना।		ध्वनि प्रदूषण

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

* पुनरावृत्ति :→

छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषय में से निम्न प्रश्न पूछेगी।

1. पर्यावरण किसे कहते हैं?
2. पर्यावरण के घटक कौन-२ से हैं?
3. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार बताइए।
4. भूमि प्रदूषण किसे कहते हैं?

* गृहकार्य :→

छात्राअध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृहकार्य देगी।

सभी विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के सभी प्रश्न लिखकर और याद करके आयेंगे।

Pabna
11/12/19

Scanned with CamScanner

Lesson No. : ....5.....

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 7th

Subject Economics Time 20 min

Topic बेरोजगारी Date 13/12/2014

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतन, ब्लाइन इत्यादि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय-वस्तु से संबंधित एक चार्ट।

* **सामान्य उद्देश्य :→**
  1. तर्क - वितर्क शक्ति का विकास करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण।
  2. वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।
  3. कल्पना शक्ति का विकास करना।
  4. भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान करवाना।
  5. पाठ के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में निम्नोक्त आपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आयेंगें।
  1. विद्यार्थी को उपविषय से संबंधित ज्ञान हो जायेगा।
  2. विद्यार्थी बेरोजगारी की पहचान कर सकेगें।
  3. प्राप्त ज्ञान का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पायेगें।
  4. विद्यार्थी बेरोजगारी के उदाहरण दे सकेगें।

Scanned with CamScanner

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** छात्र बेरोजगारी के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

* **पूर्वज्ञान परीक्षा :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति के लिए किसकी आवश्यकता है ?
2. 'धन' हमें कहाँ से प्राप्त होता हैं ?
3. बेरोजगारी किसे कहते हैं ?

* **उद्देश्य कथन :→** छात्राअध्यापिका घोषणा करेगी कि " अच्छा बच्चों " आज हम बेरोजगारी के विषय में अध्ययन करेगें।

* **प्रस्तुतीकरण :→** पाठ को विकसित करने के लिए प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा।

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राअध्यापिका विषय- वस्तु की पूर्ण स्पष्ट व्याख्या करेगी।		
	i) भारत में कुल जनसंख्या का कितने प्रतिशत भाग निर्धन हैं ?	26 % भाग	
	ii) भारत में कितने लोग निर्धनता की रेखा में हैं ?	26 करोड़	
	iii) अधिक निर्धनता का क्या कारण है ?	बेरोजगारी	
	iv) बेरोजगारी क्या है ?	मौन	
* बेरोजगारी	**अध्यापक कथन :-** किसी वर्ग के लोग काम करने के योग्य हैं, और काम भी करना चाहते हैं किन्तु उन्हें काम नहीं मिलता है तो उस अवस्था को बेरोजगारी कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें और मुख्य बिन्दुओं को नोट करेगें।	
* बेरोजगारी के प्रकार :→	बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है - 1) अप्रत्यक्ष बेरोजगारी :- यह ऐसी स्थिति है जिसमें किसी कार्य के लिए जितने		

Scanned with CamScanner

व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। उससे अधिक व्यक्ति उस काम में लगे तो उसे अप्रत्यक्ष बेरोजगारी कहते है।

2) **मौसमी बेरोजगारी:-** कुछ व्यक्तियों को केवल वर्ष के कुछ महीनों में ही रोजगार मिलता है और बाकी महीनों में बेरोजगार रहते है, उसे मौसमी बेरोजगारी कहते है।

3) **ढाँचागत बेरोजगारी:-** यदि किसी अर्थव्यवस्था में सभी मजदूरों को नौकरी देने के लिए पूँजी या साधन उपलब्ध नहीं होते ऐसी दशा में ढाँचागत बेरोजगारी कहते है।

	अप्रत्य… मौसमी ढाँचाग…

विकासात्मक प्रश्न :-

1. बेरोजगारी किसे कहते है ?	अगर कोई व्यक्ति किसी काम के करने योग्य हो लेकिन उसे काम नहीं मिले।
2. बेरोजगारी कितने प्रकार की होती है ?	बेरोजगारी तीन प्रकार की होती है।

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................... Class....................

Subject.................... Time....................

Topic.................... Date....................

3. भारत में बेरोजगारी कितने प्रकार की है और इसे कैसे नापा जा सकता है ?	मौन
अध्यापक कथन :- भारत की बेरोजगारी की विशालता को दो प्रकार से नापा जा सकता है → i) जनगणना और नमूने का सर्वेक्षण करना। ii) रोजगार कार्यालयों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर।	

* पुनरावृत्ति :-

छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषयों में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी।

1. बेरोजगारी किसे कहते हैं ?
2. बेरोजगारी के तीन प्रकारों के नाम बताओ।
3. बेरोजगारी किस कार्यालयों द्वारा नापी जाती है ?

* गृहकार्य :→

छात्राअध्यापिका छात्रों को गृहकार्य देगी। सभी छात्र बेरोजगारी के विषय में अध्ययन करके आयेगें।

Pabam 13/12/15

Scanned with CamScanner

DISCUSSION LESSON

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 1.

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 20 min

Topic पर्यावरण प्रदूषण Date 29/1/2015

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय वस्तु संबंधित चार्ट।

* **सामान्य उद्देश्य :→**
  1. मानसिक व शैक्षिक विकास।
  2. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
  3. स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
  4. कल्पना शक्ति का विकास करना।
  5. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ की समाप्ति के बाद छात्रों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जायेगा।
  1. विद्यार्थी को पर्यावरण प्रदूषण का ज्ञान हो जायेगा।
  2. विद्यार्थी पर्यावरण का प्रत्यास्मरण कर पायेंगे।
  3. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित उदाहरण दे सकेंगे।
  4. विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान का प्रयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Scanned with CamScanner

*** पूर्वज्ञान परीक्षा :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. हम किस ग्रह पर रहते हैं ?
2. पृथ्वी के चारों ओर फैले आवरण को क्या कहते हैं ?
3. हमारे चारों ओर फैले प्रदूषित वातावरण को क्या कहते हैं ?

*** उद्देश्य के कथन :→** छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राअध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों आज हम पर्यावरण प्रदूषण के विषय में अध्ययन करेंगे।

*** प्रस्तुतीकरण :→** पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जायेगा।

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विषय वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट क्रिया
	छात्राअध्यापिका विषय वस्तु की पूर्णस्पैण व्याख्या करेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
* पर्यावरण	पर्यावरण हमारे चारों ओर फैले आवरण को पर्यावरण कहते हैं। पर्यावरण दो शब्दों के मेल से बना है परि + आवरण परि का अर्थ है चारों ओर तथा आवरण का अर्थ है ढका हुआ। जो हमारे वे सभी घटक जो हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं। ये घटक मिट्टी, जल व वायु है। उस विशेष आवरण को पर्यावरण कहा जाता है।		हमारे चारों ओर फैले आवरण को पर्यावरण कहते हैं। परि + आवरण
* घटक :-	हमारे पर्यावरण में दो घटक हैं। i) भौतिक पर्यावरण ii) जैविक पर्यावरण		i) भौतिक ii) जैविक

Scanned with CamScanner

भौतिक पर्यावरण में मिट्टी, जल तथा वायु है।

जैविक पर्यावरण में जीवजन्तु व पेड़-पौधे आते हैं।

* **पर्यावरण प्रदूषण :-**

वास्तव में पर्यावरण प्रदूषण हवा, पानी तथा मिट्टी की भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों वाला ऐसा अनावश्यक परिवर्तन जो जीवन के लिए हानिकारक होता है। उसे पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

विचारात्मक प्रश्न :-

अध्यापिका छात्रों से प्रश्न पूछेगी।

छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

1. पर्यावरण किसे कहते हैं ?
2. जीवित रहने के लिए आवश्यक तत्व कौन-२ से हैं ?
3. पर्यावरण के घटक कौन-२ से हैं ?
4. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार कितने हैं ?

हमारे चारों ओर फैले आवरण को पर्यावरण कहते हैं। मिट्टी, जल, हवा आदि।

भौतिक व जैविक

मौन

छात्राअध्यापिका कथन :-

पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार :-

पर्यावरण प्रदूषण के चार प्रकार हैं -

1. जल प्रदूषण
2. वायु प्रदूषण
3. मृदा प्रदूषण
4. ध्वनि प्रदूषण

1. जल प्रदूषण
2. वायु प्रदूषण
3. मृदा प्रदूषण
4. ध्वनि प्रदूषण

जल प्रदूषण :-

जल का दूषित होना ही जल प्रदूषण होता है। जैसे पानी में कूड़ा-करकट फैलने से दूषित होना।

जल प्रदूषण
जल का दूषित होना

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति:- छात्राध्यापिका पढ़ाए गए विषय में से निम्नोक्त प्रश्न देगी।

1. पर्यावरण किसे कहते हैं?
2. पर्यावरण के घटक कौन-२ से हैं?
3. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार कितने हैं?

गृहकार्य:- छात्राध्यापिका छात्रों को गृहकार्य देगी। सभी छात्र घर से पर्यावरण के बारे में अध्ययन करके आयेगें।

P.K. Testing was f.d. Topic was announced at right time & written properly on the chalk Board. Teaching Aids were used properly. Home work was given at proper time.

Patwari
29-01-15

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 1

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 7th

Subject Economics Time 40 min

Topic उत्पादन संगठन Date 2/2/2015

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, झाड़न व संकेतन आदि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय- वस्तु से संबंधित चार्ट।

* **सामान्य उद्देश्य :→**
  1. पाठ्य वस्तु के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
  2. कल्पना शक्ति का विकास करना।
  3. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
  4. स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
  5. राष्ट्रीय भावना का विकास करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→**

पाठ की समाप्ति के पश्चात छात्रों के व्यवहार में निम्नलिखित परिवर्तन आ जायेगें।

1. विद्यार्थियों को उत्पादन संगठन के बारे में पूरा ज्ञान हो जायेगा।
2. विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टि से प्रत्यास्मरण कर पायेगें।
3. विद्यार्थियों में व्याख्या कौशल का विकास हो जायेगा।
4. विद्यार्थियों में प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने जीवन में कर पायेगें।

* **पूर्वज्ञान परीक्षा :→**

छात्रा/अध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. अनाज कहाँ उगते हैं ?
2. खाद का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
3. उत्पादन संगठन क्या है ?

Scanned with CamScanner

* प्रस्तुतीकरण :→

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जायेगा।

* उपविषय की घोषणा :→

छात्राअध्यापिका छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों" आज हम उत्पादन संगठन के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगें।

विषय वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र प्रतिक्रिया	चाकपट्ट कार्य
उत्पादन संगठन:-	छात्राअध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेगी। उत्पादन का मुख्य उद्देश्य ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ प्रदान करना है, जिसकी हमें आवश्यकता पड़ती रहती है। वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए 'चार' चीजों की आवश्यकता होती है। 1) पहली आवश्यकता है भूमि तथा जल, वन खनिज जैसे अन्य प्राकृतिक संसाधनों की।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेगें और मुख्य बिंदुओं को नोट करेगें।	वस्तुओं और सेवाओं के लि चार आवश्यक 1) भूमि 2) श्रम 3) भौतिक पूँजी 4) मानव पूँजी

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No. ..... Class .....

Subject ..... Time .....

Topic ..... Date .....

2) दूसरी आवश्यकता है श्रम अर्थात् काम करने वाले लोगों की।

3) तीसरी मुख्य आवश्यकता भौतिक पूँजी है। अर्थात् उत्पादन के सभी स्तरों पर उपेक्षित कई तरह के आगत भौतिक पूँजी में निम्नलिखित मदें हैं।

A) औजार एवं मशीन, भवन :-

औजारों तथा मशीनों में किसान के हल जैसे साधारण औजारों से लेकर जनरेटर, टरबाइन, कंप्यूटर जैसी परिस्कृत मशीनें आती हैं। इसमें लगाई पूँजी को स्थायी पूँजी कहते हैं।

B) कच्चा माल और नगद मुद्रा:-

पैसों को मुद्रा भी कहते हैं। उत्पादन में विभिन्न प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती है। जैसे बुनकर प्रयोग में लाई जाने वाली किया जाने वाला सूत और कुम्हारों दुबारा प्रयोग में लाई जाने वाली मिट्टी। कच्चे माल और नगद मुद्रा को कार्यशील पूँजी कहते हैं।

4) चौथी आवश्यकता है मानव पूँजी अपने स्वंय के उपयोग के लिए या बाजार में बिक्री हेतु उत्पादन करने के लिए भूमि, श्रम और

छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगें और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।

Scanned with CamScanner

भौतिक पूँजी को एक साथ उपयोग करने योग्य बनाने के लिए ज्ञान और उद्यम की आवश्यकता पडेगी। इसे मानव पूँजी कहते हैं।

पालमपुर की खेती:-

भूमि स्थिर :-

गाँव में उत्पादन की प्रमुख क्रिया खेती है। काम करने वाले लोगों में से 75% लोग जीविका चलाने के लिए खेती पर निर्भर रहते हैं। वे कृषि श्रमिक अथवा किसान हो सकते हैं। इन लोगों का हित खेतों के उत्पादन से जुड़ा है। खेती में प्रयुक्त स्थिर भूमि क्षेत्र कृषि उत्पादन में एक मूलभूत कठिनाई है। पालमपुर गाँव में वर्ष 1960 से आज तक जुताई के अन्तर्गत भूमि क्षेत्र में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है।

भूमि से अधिक पैदावार प्राप्त करने का तरीका :-

यहाँ भूमि की पैदावार बढ़ाने के लिए सुविधाएँ उपलब्ध हैं और पालमपुर की भूमि स्थिर करके उसे उत्तर प्रदेश के पश्चिमी भाग के गाँवों की तरह लगता है।

पालमपु[r] की खेत[ी]
1. भूमि स्[थिर]
2. भूमि [से] अधिक पै[दावार] प्राप्त कर[ने] का तरी[का]

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No........ Class........

Subject........ Time........

Topic........ Date........

यह गाँव एक वर्ष में भिन्न-2 फसलें इसलिए उगा पाते हैं क्योंकि यहाँ की सिंचाई व्यवस्था अच्छी है। पहले किसान कुंए से पानी निकालकर खेतों में सिंचाई किया करते थे परन्तु अब बिजली से चलने वाली नलकूपों द्वारा बेहतर ढंग से अधिक क्षेत्रों में सिंचाई की जाती है।

विकासात्मक प्रश्न :->

1. उत्पादन किसे कहते हैं?
2. स्थायी पूँजी किसे कहते हैं?
3. कार्यशील पूँजी किसे कहते हैं?
4. पालमपुर में खेती किसानों को कैसे वितरित की जाती है?

किसानों की अज[़ार] मशीन और भवन
कच्चे माल, पैसा

मौन

किसानों में भूमि वितरित करना :->

आपको यह पता लग गया होगा कि खेती के लिए भूमि कितनी महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश खेती करने वाले सभी लोगों के पास खेती के लिए पर्याप्त भूमि नहीं है। पालमपुर गाँव में 450 परिवारों में से लगभग एक तिहाई अर्थात 150 परिवारों के पास खेती के लिए स्वयं की भूमि नहीं है। जिनमें अधिकांश दलित हैं।

किसानों में भूमि वितरित करना

Scanned with CamScanner

बाकी परिवारों में से 240 में से हैं जिनके पास भूमि है। वे 2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले छोटे भूमि के हेक्टेयर पर खेती करते हैं। भूमि के ऐसे हिस्से पर खेती करने से किसानों के परिवारों को पर्याप्त आमदनी नहीं होती है।		

पुनरावृत्ति :→

1. उत्पादन किसे कहते हैं?
2. उत्पादन संगठन के कितने चीजों की आवश्यकता है
3. पालमपुर के किसानों में भूमि किस प्रकार वितरित

गृहकार्य :→

छात्राअध्यापिका छात्रों से पढ़ाए गए विषय-वस्तु में से गृहकार्य देगी।

सभी छात्र उत्पादन संगठन के विषय में प्रश्न लिखकर आयेंगें।

Pelhan 02-02-18

Lesson No. : 2

Pupil Teacher's Roll No. 10

Subject Economics Class 9th

Topic वैज्ञानिक दृष्टि से निर्धनता Time 40 min

Date 4/2/2015

*** अनुदेशनात्मक सामग्री :→**

चाक, डस्टर और संकेतक।

*** सहायक सामग्री :→**

विषय-वस्तु से संबंधित चार्ट।

*** सामान्य उद्देश्य :→**

1. छात्रों का बौद्धिक और मानसिक विकास करना।
2. छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
3. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4. स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
5. छात्रों में सहयोग व भाइचारे की भावना का विकास करना।

*** व्यवहारपरक उद्देश्य :→**

पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नलिखित परिवर्तन आ जायेगें।

1. विद्यार्थियों को निर्धनता के बारे में पूरा ज्ञान हो जायेगा।
2. विद्यार्थी वैज्ञानिक दृष्टि से निर्धनता सीख जायेगें।
3. विद्यार्थी निष्कर्ष निकालना सीख जायेगें।
4. विद्यार्थी अपने जीवन में प्राप्त ज्ञान का अध्ययन करेगें।

*** अनुमानित पूर्वज्ञान :→**

विद्यार्थी पाठ के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

*** पूर्वज्ञान परीक्षण :→**

छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी।

Scanned with CamScanner

1. निर्धनता किसे कहते हैं?
2. इसके दो उदाहरण दीजिए।
3. शहरी निर्धनता के बारे में बताइए।
4. भारत में कुल कितने लोग निर्धनता में जीवन व्यतीत करते हैं।
5. वैज्ञानिकों की दृष्टि में निर्धनता क्या है?

उद्देश्य कथन :→

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राअध्यापिका घोषणा करेगी कि आज हम निर्धनता के बारे में अध्ययन करेंगे।

*** प्रस्तुतीकरण :→**

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा।

विषय वस्तु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
वैज्ञानिकों की दृष्टि में निर्धनता :-	छात्राअध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी। निर्धनता के कई पहलू हैं। इसलिए सामाजिक वैज्ञानिक उसे अनेक प्रतीकों के माध्यम से देखते हैं। निर्धनता के मुख्य दो सूचक है। 1- आय, 2- उपभोग अन्य सामाजिक सूचक	ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	वैज्ञानिक की दृष्टि निर्धनता

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....
Subject .... Time ....
Topic .... Date ....

	जैसे - 1. निरक्षरता स्तर 2. स्वास्थ्य सेवाओं में कमी 3. कुपोषण के कारण रोग प्रतिरोधी क्षमता में कमी 4. बेरोजगारी 5. सुरक्षित पेयजल किन्तु सामाजिक अपवर्जन और असुरक्षा का विश्लेषण करना बहुत सामान्य हो गया है।	
निर्धनता रेखा :-	**छात्राअध्यापिका कथन :-** निर्धनता का आंकलन आय तथा उपभोग के स्तरों के अवसर या आधार पर किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की आय या उपभोग स्तर में नीचे गिर जाये तो मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक है तो ही उसे गरीब समझा जाता है। स्थान व काल के अनुसार निर्धनता रेखा भिन्न होती है क्योंकि मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक वस्तुओं विभिन्न कालों एवं भिन्न देशों में भिन्न होती है। उदाहरण, अमेरिका में उस आदमी को निर्धन कहा जाता है जिसके पास कार नहीं है।	निर्धनता का आकलन आय और उपभोग स्तरों के आधार पर

	इसके विपरीत भारत में जिसके पास कार है उसे अमीर माना जाता है। निर्धारण रेखा का आकलन "पाँच वर्ष" पर किया जाता है। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन अर्थात National Sample Survey Organisation [N.S.S.O]		निर्धारण... का आक... 5 वर्ष पर... जाता है।
	विकासात्मक प्रश्न :-		
	1. वैज्ञानिकों की दृष्टि में निर्धनता पर टिप्पणी लिखिए?	छात्र विस्तार से कथन करेंगा।	
	2. निर्धनता का विश्लेषण किससे सामान्य हो गया?	सामाजिक अपवर्जन व असुरक्षा	
	3. गरीब किसे कहाँ जाता है?	न्यूनतम आय और उपभोग स्तर का नीचे गिरने की	
निर्धनता के अनुमान	**छात्राअध्यापिका कथन :-** भारत में निर्धनता अनुपात में वर्ष 1973 में लगभग 54.9% से वर्ष 1993 में 36% तक कमी आई है। वर्ष 2000 में निर्धनता रेखा के नीचे से जीवन यापन कर रहे निर्धनों का अनुमान और गिरकर 26% हो गया। और निर्धन लोगों की सं० 32 करोड़ के लगभग काफी समय तक स्थिर रही।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगें।	चार्ट द्वा... दर्शाया ग...

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.................... Class....................

Subject.................... Time....................

Topic.................... Date....................

* **पुनरावृति :→** छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए पाठ्य वस्तु से प्रश्न पूछेगी और छात्र उसका उत्तर देगें।

1. निर्धनता के पहलू बताइए।
2. निर्धनता का विश्लेषण किसके सामान्य हो गया?
3. गरीब किसे कहा जाता है?
4. किस वर्ष निर्धनता का अनुपात 54.9% था?
5. किस वर्ष निर्धनों की संख्या लगभग बराबर थी?

* **गृहकार्य :→** छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषय वस्तु में से छात्र को गृहकार्य देगी। सभी छात्र निर्धनता अनुमान को विस्तार से अध्ययन करके आयेगें।

Pabhem
04.02.17

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 3

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 40 min

Topic निर्धनता एक चुनौती Date 5/2/2015

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतक, आइन आदि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय - वस्तु संबंधित कोई पुस्तक।

* **सामान्य उद्देश्य :→**
  1. छात्रों को अर्थव्यवस्था के विषय में जानकारी देना।
  2. छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना।
  3. छात्रों में जिज्ञासा शक्ति का विकास करना।
  4. छात्रों में जिज्ञासा शक्ति की प्रवृति उत्पन्न करना।
  5. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थी के व्यवहार में निम्नलिखित अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जायेगें।
  1. विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था के निर्धनता के बारे में जान जायेगें।
  2. विद्यार्थी पाठ का प्रत्यास्मरण कर पायेगें।
  3. विद्यार्थी में व्याख्या कौशल का विकास हो जायेगा।
  4. विद्यार्थी अपने जीवन में प्राप्त ज्ञान का प्रयोग कर पायेगें।

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** छात्र भारतीय निर्धनता के विषय में सामान्य जानकारी रखते है।

Scanned with CamScanner

* पूर्वज्ञान परीक्षण :→

1. हमारे देश का क्या नाम है ?
2. अर्थव्यवस्था क्या है ?
3. भारत कैसा देश है ?
4. निर्धनता किसे कहते हैं ?

* उद्देश्य कथन :→

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राअध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चो" आज हम निर्धनता एक चुनौती के विषय में अध्ययन करेंगे।

* प्रस्तुतीकरण :→

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या विधि का प्रयोग किया जायेगा।

विषय वस्तु	छात्र अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	ब्लैकबोर्ड कार्य
निर्धनता :-	व्यक्ति अपने लिए रोटी, कपड़ा, मकान की न्यूनतम आवश्यकता को पूरा करने में असमर्थ हो उसे निर्धनता कहते हैं। देश का प्रत्येक चौथा व्यक्ति निर्धन है। इसका अर्थ है कि भारत में लगभग 26 करोड़ लोग निर्धनता में जीवन जीते हैं। इसका अर्थ यह है कि भारत में विश्व के अधिक निर्धन पाए जाते हैं।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	निर्धनता देश में लगभग 26 करोड़ लोग निर्धनता में जीवन व्यतीत करते हैं।

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

निर्धनता के दो विशिष्ट मामले :-

(उदाहरण देकर छात्रों को समझायेंगे)

1. ग्रामीण निर्धनता
2. शहरी निर्धनता

→ ग्रामीण निर्धनता
→ शहरी निर्धनता

विकासात्मक प्रश्न :→

1. निर्धनता किसे कहते हैं ?

जब व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान की आवश्यकता पूरी करने में असमर्थ हो तब उसे निर्धनता कहते हैं।

2. भारत में लगभग कितने लोग निर्धनता में जीवन व्यतीत करते हैं ?

26 करोड़

3. निर्धनता के दो उदाहरण बताइए।

शहरी और ग्रामीण निर्धनता

निर्धनता से संबंधित मुद्दे

छात्राअध्यापिका कथन

- भूमिहीनता
- बेरोजगारी
- परिवार का आकार
- बालश्रम
- खराब स्वास्थ्य
- असहायता

छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।

भूमिहीनता, बेरोजगारी, परिवार का आकार, बालश्रम, खराब स्वास्थ्य, असहायता

Scanned with CamScanner

ऊपर के दोनों उदाहरण निर्धनता के अनेक रूपों को दर्शाते हैं। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि निर्धनता का अर्थ भुखमरी और आश्रय का न होना है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते हैं बीमार होने पर इलाज नहीं करवा पाते हैं। निर्धनता का तात्पर्य स्वच्छ जल और सफाई की आवश्यकता है।	

*** प्रस्तुतीकरण :→**

*** पुनरावृति :→**

छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषय वस्तु में से प्रश्न पूछेगी।

1. निर्धनता किसे कहते है ?
2. भारत में प्रत्येक व्यक्ति कितना निर्धन है ?
3. निर्धनता किन कारणों से आती है ?

*** गृहकार्य :→**

छात्राअध्यापिका छात्रों को पढ़ाए गए विषय-वस्तु में से गृहकार्य देगी। सभी छात्र निर्धनता के बारे में विस्तृत अध्ययन करके आयेगें।

[illegible] 06.02.15

Lesson No. : 4

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 9th

Subject Economics Time 40 min

Topic ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका Date 6/2/2015

*** अनुदेशनात्मक सामग्री :→**

चाक, संकेतन, झाड़न इत्यादि।

*** सहायक सामग्री :→**

ग्रामीण क्षेत्र की आजीविका को प्रदर्शित करता चार्ट।

*** सामान्य उद्देश्य :→**

1. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. शिक्षा के प्रति उद्देश्य का विकास करना।
3. कल्पना शक्ति का विकास करना।
4. मानसिक व बौद्धिक विकास करना।
5. सामाजिक व राजनैतिक परिस्थितियों से परिचित करवाना।

*** व्यवहारपरक उद्देश्य :→**

विषयवस्तु की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्ति अपेक्षित परिवर्तन आ जायेगें।

1. विद्यार्थियों को उपविषय सम्बधित ज्ञान हो जायेगा।
2. विद्यार्थियों को ग्रामीण क्षेत्र की आजीविका के विषय में ज्ञान हो जायेगा।
3. विद्यार्थी को बेरोजगारी का ज्ञान हो जायेगा।
4. विद्यार्थी आजीविका की पहचान कर पायेगें।

*** पूर्वज्ञान परीक्षण :→**

छात्राअध्यापिका पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेगी।

1. ग्रामीण किसे कहते है ?
2. शहरी किसे कहते है ?
3. ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका क्या है ?

Scanned with CamScanner

* **उपविषय घोषणा :→**

छात्राअध्यापिका छात्रों से संतोषप्रद उत्तर न मिलने पर उपविषय की घोषणा करेगी।
"अच्छा बच्चों" आज हम ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के विषय में अध्ययन करेंगे।

* **प्रस्तुतीकरण :→**

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या व विचार-विमर्श विधि का प्रयोग किया जायेगा।

विषय वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राअध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण-रूपेण व्याख्या करेगी।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका:-	तमिलनाडु राज्य में स्थिर एक गाँव है कलपट्टू। यहाँ के टोकरी, बर्तन, घड़े, ईंट, बैलगाड़ी आदि बनाने का काम करते हैं। यहाँ नर्स, शिक्षक, नाई, बुनकर, धोबी आदि हैं। गाँव छोटी-2 पहाड़ियों से घिरा है। धान की खेती होती है। यहाँ आम और नारियल के काफी पेड़ हैं। यहाँ के कुछ खेतिहर मजदूरों के बारे में कुछ दिया जाता है।		धान की खेती
तुलसी:-	तुलसी राम लिंगम के खेत में कार्य करती है। रामलिंगम के पास 20 एकड़ जमीन है। तुलसी धान की रोपाई करती है। पकने पर निराई तथा कटाई भी वही करेगी। रामलिंगम 30 से 40 Rs. एक दिन में देता है। तुलसी का पति रमन भी खेतीहर मजदूर है। इसके पास जमीन नहीं है। वह खेतों में दवाई छिड़कता है। यह काम कुछ समय होता है। इसकी आय अनियमित है। तुलसी खेत का काम करने के बाद अपने घर का काम करती है। वह पीने का पानी दूर से लाती है।		40 Rs मजदूरी

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No. .... Class ....

Subject .... Time ....

Topic .... Date ....

विकासात्मक प्रश्न :-

	1. रामलिंगम के पास कितनी जमीन है?	20 एकड़
	2. मजदूरी का पैसा कितना मिलता था।	40 रुपये
	3. दो एकड़ जमीन किसके पास है?	मौन
शेखर:-	शेखर के पास दो एकड़ जमीन है। शेखर पड़ोसी किसानों से अदला-बदली कर लेता है। तब व्यापारी को कम कीमत पर धान बेचता है। उसे समय-समय पर उधार लेना पड़ता है। कर्ज बढ़ जाने पर उसे उतार पाना कठिन हो जाता है। यह उसके लिए विपत्ति का कारण बन जाता है। शेखर एक छोटा किसान है।	

Scanned with CamScanner

अस्था और परिवेलन	ये लोग पुडुचेर गाँव में रहते हैं। ये लोग मछली पकड़कर अपनी आजीविका कमाते हैं। इनका घर समुद्र के पास है। इनके पास मछली पकड़ने की छोटी नाव है। इसके परिवार के पास जाल और कैटोमैरेन और उसका इंजन है. बैंक से उधार लेकर इन्होंने यह सामान खरीदा है। इनके पास कई औरतें मछलियाँ ले जाती हैं। और आजीविका चलाती हैं।

* **पुनरावृति :→** छात्राअध्यापिका पढ़ाई गई पाठ्य-वस्तु में से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. आम और नारियल के बाग किस राज्य में हैं?
2. रामलिंगम के पास कितनी जमीन है?
3. अस्था की आजीविका का साधन क्या है?

* **गृहकार्य :→**

छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए पाठ्यवस्तु से निम्नोक्त गृहकार्य देगी।

सभी छात्र ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका के विषय में अध्ययन करके आयेंगे।

Raksha 06-02-15

Lesson No. : 5

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 8th

Subject Economics Time 40 min

Topic जनसंख्या वृद्धि Date 7/2/2015

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय-वस्तु सम्बन्धित पुस्तक।

* **सामान्य उद्देश्य :→**

1. विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. शिक्षा के प्रति उद्देश्य का विकास करना।
3. कल्पना शक्ति का विकास करना।
4. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
5. सामाजिक, राजनैतिक जीवन में रुचि उत्पन्न करना।

* **व्यवहारपरक उद्देश्य :→** पाठ्य वस्तु की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों में निम्नोक्त परिवर्तन आ जायेगें।

1. विद्यार्थियों को उपविषय से सम्बन्धित ज्ञान हो जायेगा।
2. विद्यार्थी जनसंख्या के विषय में जान पायेगें।
3. भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान करवाना।
4. तर्क-वितर्क शक्ति का विकास करना।
5. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** सभी छात्र जनसंख्या वृद्धि के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Scanned with CamScanner

* **पूर्वज्ञान परीक्षण :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से पूर्व पर आधारित निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. भारत की ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा की मुख्य समस्या कौन सी है?
2. बेरोजगारी का मुख्य कारण क्या है?
3. जनसंख्या वृद्धि के क्या कारण है?

* **उद्देश्य कथन :→** छात्राअध्यापिका घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चों" आज हम जनसंख्या वृद्धि के विषय में अध्ययन करेंगे।

* **प्रस्तुतीकरण :→** पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा।

प्रकरण वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट
जनसंख्या वृद्धि :→	छात्राअध्यापिका विषय वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी। स्वतंत्रता के बाद भारत का क्षेत्रफल तो उतना ही है, परन्तु 50 वर्षों में इसकी जनसंख्या दोगुनी से भी काफी अधिक हो गयी है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेगें और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	जनसंख्या वृद्धि

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

आज यह शापा की दर से बढ़ रही है। जनसंख्या के बढ़ने से मूल्य आवश्यकताओं को पूरा करने की समस्या है। देश के इन लोगों के लिए स्कूलों, अस्पतालों तथा अन्य सेवाओं की व्यवस्था करना आसान नहीं है।

जनसंख्या वृद्धि के साथ संचार माध्यम तथा यातायात की सेवाओं में वृद्धि करनी होगी।

भारत में जनसंख्या वृद्धि शापा की दर से बढ़ी

जनसंख्या वृद्धि के कारण :– भारत में जन्मदर और मृत्युदर में बहुत अन्तर है। चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता के कारण मृत्युदर में कमी होती जा रही है जिससे जनसंख्या बढ़ती जा रही है।

लोगों की निर्धनता के कारण भी हमारे देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। क्योंकि गरीब लोगों के पास मनोरंजन के और विशेष साधन उपलब्ध नहीं होते।

अतः वे पारिवारिक परिस्थितियों से लाचार होते हुए परिवार में रहते हुए जनसंख्या

Scanned with CamScanner

वृद्धि में विशेष भूमिका निभाते हैं। भारत में विशेष अधिकतर लोग रूढ़िवादी और अशिक्षित हैं। वे संतान को ईश्वर की देन समझते हैं।

विकासात्मक प्रश्न :-

1. भारत की जनसंख्या कितने प्रतिशत दर से बढ़ रही है?
2. किस कारण से मृत्यु दर में कमी आई है?
3. बालविवाह का जनसंख्या वृद्धि में क्या योगदान है?

बाल-विवाह :- भारत में छोटी आयु में विवाह कर दिया जाता है। इससे जहाँ उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वहाँ देश की जनसंख्या भी बढ़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार नियोजन और परिवार कल्याण सम्बन्धी सुविधाएँ और ज्ञान नहीं पहुच पाता। जिससे ग्रामीण भारत में जन्म दर काफी ऊंची है। जनगणना के अनुसार जनसंख्या 1.93 की दर से बढ़ रही है।

2.14 की दर से चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं के साथ

मौन

बाल विवाह

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

* **पुनरावृति :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से पढ़ाए गए विषयों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।
  1. जनसंख्या वृद्धि क्या है?
  2. जनसंख्या वृद्धि के क्या कारण है?
  3. 2001 में मृत्युदर कितनी है?
  4. 2001 में जन्मदर कितनी है?

* **गृहकार्य :→** सभी छात्र घर से जनसंख्या वृद्धि के कारण के विषय में सम्बन्धित पाठ को याद करके आयेगें।

07-02-15

Scanned with CamScanner

Lesson No. : 6

Pupil Teacher's Roll No. 10 Class 7th

Subject Economics Time 40 min

Topic खादय असुरक्षित Date 8/2/2018

* **अनुदेशनात्मक सामग्री :→** चाक, संकेतक, माइन इत्यादि।

* **सहायक सामग्री :→** विषय वस्तु से संबंधित पुस्तक।

* **सामान्य उद्देश्य :→**
  1. छात्रों को खादय असुरक्षा के बारे में जानकारी देना।
  2. छात्रों में तर्कशक्ति का विकास करना।
  3. छात्रों में जिज्ञासा शक्ति की प्रवृति उत्पन्न करना।
  4. विद्यार्थी में व्याख्या कौशल का विकास हो जायेगा।

* **अनुमानित पूर्वज्ञान :→** छात्र 'खादय असुरक्षित' के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

* **पूर्वज्ञान परीक्षण :→** छात्राअध्यापिका छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेगी।
  1. क्या आप अकाल पड़ने से पहले लोगों की जीविका के स्त्रोत के बारे में अनुमान लगा सकते हैं?
  2. किसी राहत शिविर में प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की किस तरह की मदद की जाती है?
  3. क्या आपने इस तरह के पीड़ितों की कभी सहायता की है?
  4. क्या आप जानते हैं कि खादय असुरक्षित कौन है?

* **उद्देश्य कथन :→** छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राअध्यापिका घोषणा करेगी कि अच्छा बच्चों आज हम खादय असुरक्षित कौन है के बारे में अध्ययन करेंगे।

Scanned with CamScanner

* प्रस्तुतीकरण :→

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा।

विषय वस्तु	छात्रा अध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राअध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेगी।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	
खाद्य असुरक्षित कौन हैं:-	भारत में लोगों का एक बड़ा वर्ग खाद्य एवं पोषण की दृष्टि से असुरक्षित है। परन्तु इससे सर्वाधिक प्रभावित वर्गों में निम्नलिखित शामिल हैं: भूमिहीन जो थोड़ी बहुत अथवा नगण्य भूमि पर निर्भर हैं। पारंपरिक दस्तकार, पारंपरिक सेवाएँ प्रदान करने वाले लोग, अपना छोटा-मोटा काम करने वाले कामगार और निराश्रित तथा भिखारी। शहरी क्षेत्रों में खाद्य की दृष्टि से असुरक्षित वे परिवार हैं जिनके काम काजी सदस्य प्रायः कम वेतन वाले व्यवसायों और अनियमित श्रम बाजार में काम-काजी में काम करते हैं। ये कामगार अधिकतर मौसमी कार्यों में लगे हैं। और उनको इतनी कम मजदूरी दी जाती है कि वे मात्र जीवित रह सकते हैं।		खाद्य असुरक्षित कौन हैं- भूमिहीन * पारंपरिक दस्तकार * पारंपरिक सेवाएं प्रदान करने वाले लोग * भिखारी

Lesson No. : ....

Pupil Teacher's Roll No.............. Class..............

Subject.............. Time..............

Topic.............. Date..............

रामू की कहानी→	रामू रायपुर के गाँव में कृषि क्षेत्र में एक अनियमित खेतिहर मजदूर के रूप में काम करता है। इसका सबसे बड़ा बेटा सोनू दस वर्ष का है। वह भी गाँव के सरपंच सतपाल सिंह के पशुओं की देखभाल करने वाले पाली के रूप में काम करता है। सोनू की मजदूरी एक वर्ष की एक हजार रुपये हैं। रामू के तीन बेटियाँ और दो बेटे हैं, लेकिन वे अभी बहुत छोटे हैं। उसकी पत्नी सुनहरी भी पशुओं की सफाई करने वाले और गोबर हटाने का काम करती है। उसे रोजाना काम के बदले आधा लीटर दूध और सब्जियों के साथ कुछ पका खाना मिल जाता है।	
	विकासात्मक प्रश्न :-	
	1. खाद्य असुरक्षित कौन हैं?	· भूमिहीन कृषक · छोटे दस्तकार · परंपरागत सेवाएँ प्रदान करने वाली संस्थाएँ
	2. पाठ में किसकी कहानी बताई गई है।	रामू की
	3. रामू की पत्नी को मजदूरी के बदले क्या मिलता है?	आधा लीटर दूध, पका खाना
	4. खाद्य असुरक्षित से शहरी जीवन के बारे में बताइये।	मौन

अहमद की कहानी

अध्यापिका कथन

अहमद बैंगलोर में रिक्शा चलाता है। वह अपने तीन भाइयों, दो बहनों और बूढ़े माँ-बाप के साथ झुग्गी तलैया से आया है। वह झुग्गी में रहता है। उसके परिवार में समस्त सदस्यों का जीवन रिक्शा चलाने से होने वाली उसकी प्रतिदिन की आय पर निर्भर है। उसका रोजगारी सुरक्षित नहीं है। और वह उसकी आय प्रतिदिन घटती बढ़ती है। कई दिनों में वह इतना कम होता है कि समस्त दैनिक आवश्यकताओं की चीज खरीदने के पश्चात अपनी आय में से कुछ बचा लेता है। अन्य दिनों में वह मुश्किल से इतना ही कमा पाता है, जिससे वह दैनिक आवश्यकता की वस्तुएँ ही खरीद सकें। सौभाग्यवश, अहमद को एक पीला कार्ड प्राप्त है। जो निर्धनता रेखा के नीचे के लोगों का पी०डी०सी० कार्ड है। इस कार्ड से अहमद अपने दैनिक जरूरतों की उपभोग की वस्तुएँ गेहूँ, चावल और चीनी, मिट्टी का तेल प्राप्त कर लेता है। वह इन चीजों को बाजार की कीमत में भी आधी कीमत पर प्राप्त कर लेता है। इस अपर्याप्त आय से बड़े परिवार का किसी तरह पालन पोषण कर रहा है जहाँ वह अकेला कमाने वाला सदस्य है।

अहमद बैंगलोर में रिक्शा चलाता है।

वह झुग्गी में रहता है।

पी०डी०सी० कार्ड

Lesson No. : .....

Pupil Teacher's Roll No..... Class.....

Subject..... Time.....

Topic..... Date.....

* **पुनरावृति :→** छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषय-वस्तु में निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।

1. क्या रिक्शा चलाने से अहमद की नियमित आय होती है?
2. रिक्शा से होने वाली थोड़ी सी आय के बावजूद पीला कार्ड अहमद को अपना परिवार चलाने में कैसे मदद कर रहा है?
3. शम्भू खाद्य की दृष्टि से कब असुरक्षित होता है?

* **गृहकार्य :→** छात्राअध्यापिका पढ़ाए गए विषय वस्तु में से गृहकार्य देगी। सभी छात्र खाद्य असुरक्षित के बारे में विस्तार से अध्ययन करके आयेंगे।

08-12-15

Scanned with CamScanner